



वकील प्रार्थी एवं राजपैरोकाट रूपे । वकील  
 प्रार्थी ने अपनी मद्य में निवेदन किया कि  
 कि इसी जूमि के खेवप में दर्ज अन्य दो  
 इतकाल सं २१५ व २१६ में जूमि  
 देहु पत्रावलिपि न्यायालय में लोबि है तथा  
 उन्हे ख सब निजिल की जाने की प्रार्थना  
 की । अतः इस प्रार्थना की खलावा  
 प्रवृत्त सं ०१/१८ अथवा १/१८ स्टेट तथा  
 ११/१८, समुदाय बनाय स्टेट को कलब  
 किया जाता है । तीनों पत्रावलिपि को कलब कर  
 तीनों पत्रावलिपि में प्रजुत प्रार्थना - पत्र  
 सबूत - जाय के रूप में प्रजुत दर्जवैयत  
 वैधनामा - दानपत्र, इतकाल व जमावदी  
 तथा जवाब स्टेट का गहन सबवीयत  
 व अर्पण करने पर तथा बहल पर  
 मतग करने पर न्यायालय का निष्कर्ष है  
 कि इस सब इतकाल दर्ज होने के कारण  
 लिपिहीन नुवी अथवा दोहराव के कारण इतकाल  
 दर्ज करने में नुवी हुई है अतः वैधनामा  
 व दानपत्र के डाटा दस्तावेज जूमि

(सिन्धीप कुमार)  
 उप खण्ड अधिकारी (राजस्थान)  
 राजसिंहनगर

तारीख हुक्म



हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल्स जोज

हुक्म का  
में जारी

के लक्ष्मणदास वरनाम निष्ठागुज्जर  
 जमान्नी से द्याने व पारसिगट  
 पदम गुमाट, भूपराम व रामकुमार को  
 चक 4 MSD के खाल खं. 21 प.नं. 152  
 342  
 मृ.नं. 32 के किलानं. 11 सी 0.253 ई  
 कमाण्ड युग्म का  $\frac{1}{3} - \frac{1}{3}$  बटिव इज  
 क्ले. के आदेश तद्वतीनदाट, रायसिंहगट  
 को दिये जाते है। इस प्रकल्प में दिये  
 गये शुद्धि आदेश की प्रति इनो युग्म  
 के जेजंघिते दोनो सन्ध पत्रावलिपि  
 अवरण सं. 9/18 भूपराम वनाम स्टेट  
 व 11/18, रामकुमार वनाम स्टेट में  
 प्रति अजंगन की जावे। पालना हेतु तद्वतीनदाट  
 रायसिंहगट को लिखा जावे। तीनो पत्रावलिपि  
 केवल युगाट डीकट दाखिले करार हो

(सिन्धीप कुमार)  
 उप खण्ड अधिकारी (राजस्स)  
 रायसिंहगट